# समृद्धि

शुरूआती ग्रामीण उदयमिता कार्यक्रम (SVEP)

प्रखंड संसाधन केंद्र (BRC),

नरैनी,बाँदा.

Kudumbashree National Resource Organisation

मार्च - सितम्बर २०२१

# अप्रैल से सितंबर की प्रगती

शुरूआती ग्रामीण उदयमिता कार्यक्रम (SVEP)
प्रखंड संसाधन केंद्र (BRC),
नजीबाबाद,बिजनोर

संयोग
समृद्धि सामुदायिक संसाधन व्यक्ती उद्यम संसाधन समुह
प्रखंड संसाधन केंद्र.,नरैनी

आक्टोबर 2021

# भाग 1
# संक्षिप्त विवरण

| Target | | Achievement | |
|---|---|---|---|
| Target for 4 years | 1,248 | Cumulative Achievement | 463 |
| Target 2021-22 | 371 | Achievement 2021-22 | 260 |
| New Target | 936 | New | 393 |
| Existing Enterprises | 312 | Achievement (EE) | 70 |

| | | | |
|---|---|---|---|
| Household Consumption | 826 | Achievement (HC) | 456 |
| Government Sector | 27 | Achievement (GS) | 0 |
| Sub-sector | 83 | Achievement SS | 7 |

| | | | |
|---|---|---|---|
| Male | 232 | Female | 231 |
| Individual | 463 | Group | 0 |
| Number of Entrepreneurs Avail CEF | 67 | | |
| Number of Active CRP-EP | 24 | | |

| | Block | Trading | Service | Manufacturing |
|---|---|---|---|---|
| 1. | Naraini | 239 | 143 | 81 |

व्यावसायिक क्षेत्र से वर्गीकरण

जातीवार वर्गीकरण

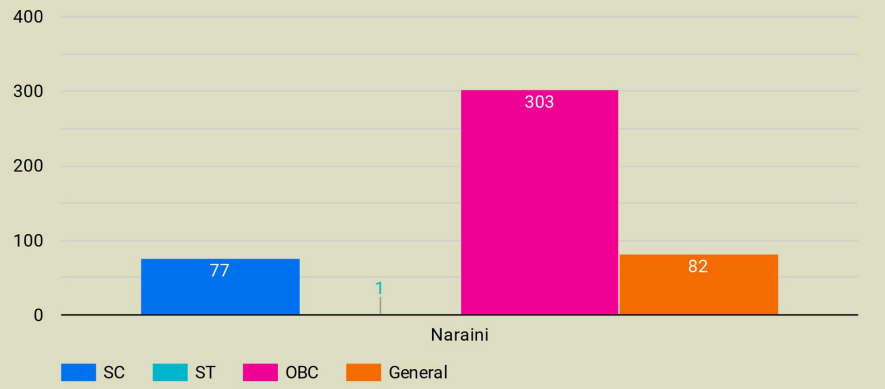

# भाग 2
# उद्यम संवर्धन

## परियोजना अनुमोदन समिति (PAC) की बैठक

एप्रिल से सितम्बर 2021 तक एस॰वी॰ई॰पी॰ - बी॰आर॰सी॰ कार्यालय नरैनी में 5 परियोजना अनुमोदन समिति की बैठक करायी गयी । इन बैठक में बी॰ई॰पी॰सी॰ के सदस्य के साथ ही एस॰वी॰ई॰पी॰- बी॰एम॰एम॰ और मेंटर भी उपस्थित थे। इन बैठक में सी॰आर॰पी॰- ई॰पी॰ द्वारा बनाये गये 260 व्यापार योजना को स्वीकृति समिति के प्रत्यक्ष रखा गया । स्वीकृति समिति के सदस्य द्वारा उद्यमी के साक्षात्कार लेकर, उद्यम, उद्यमी और उद्यम परियोजना के सम्बंधित पूरी जानकारी लेकर इसे स्वीकृत किए गए। इन बैठक में कुल 67 उद्यमीयों को **बीस लाख पंधरा हज़ार** का ऋण स्वीकृत किया गया है । जिसमें चूड़ी बनाना , नास्ता की दुकान , झाड़ू बनाना, किराना, नमकीन की उत्पाद , परिवहन सेवा, कपड़े का व्यापार, चाय की दुकान जैसे भिन्न - भिन्न व्यापार स्वीकृत किए गए है।

## राखी और ब्रेसलेट का प्रशिक्षण

ब्लॉक के चेतना संकुल संघठन के कार्यालय में एस॰वी॰ई॰पी॰ परिजोयजना के अंतर्गत समूह की 10 महिला उद्यमियों को राखी और ब्रैसलेट बनाने का चार दिवसीय ग़ैर आवासीय प्रशिक्षण दिया गया। यह प्रशिक्षण १२/ 8/21 से 15/ 8/ 21 तारीख़ को छत्तीसगढ़ से आई बिहान की समूह दीदियों द्वारा दिया गया। दीदियों ने उद्यमियों को अलग-अलग प्राकृतिक चीज़ें जैसे बीज धान , गेहू, मूंग अन्य सामग्री से नए –नए रखी के डीजाईने बनाने को सिखाया|

## चूड़ी बनाने का प्रशिक्षण

ब्लॉक में बी॰आर॰सी॰ कार्यालय परिसर में में एस॰वी॰ई॰पी॰ परिजोयजना के अंतर्गत समूह की 30 महिला उद्यमियों को चूड़ी निर्माण का सात दिवसीय ग़ैर आवासीय प्रशिक्षण दिया गया. | इस प्रशिक्षण में १५ से अधिक गाव के 30 महिला उद्यमियों ने भाग लेकर चूड़ी के और कंगन के अलग अलग डिज़ाइन बनाना सिखा | यह प्रशिक्षण ब्लॉक में कौशल्या आधारित उद्यमों को बढ़ावा देने और समूह की दीदियों को स्वयं रोज़गार से जोड़ने के उद्देश दिया गया. यह प्रशिक्षण बिहार से आए हुये प्रशिक्षक आसिफ राजा और सम्मा जफरीं ने दिया | सभी दीदियों को अलग अलग समान का इस्तमाल करके कंगन बनाने बारीकियाँ सिखाया और नए डिज़ाइन के लिए इंटर्नेट का उपयोग के बारे में भी जानकारी दी | प्रशिक्षण मे BMMU का भी संयोग मिला और मार्गदर्शन मिला. प्रशिक्षण समापन के दिन सभी को प्रमाण पत्र दिया गया.

## फिर से शुरू किया साप्ताहिक बाजार

ब्लॉक के ग्राम सदा में मार्च महीने में साप्ताहिक बाज़ार शुरू किया गया था. अप्रैल महीने में कोरोंना की दूसरी लहर में लौकडाउन के कारण यह साप्ताहिक बाज़ार बंद हो गया. इस बाज़ार को दुबारा शुरू करने के लिए सी॰आर॰पी॰ई॰पी॰ पप्पी ,सुनीता एंव पूजा दीदिने ने बाज़ार में आने वाले एस॰वी॰ई॰पी॰ के और अन्य उद्यमी, और गाँव के प्रभावशाली लोंगो से भी चर्चा कियी. मेंटर और बी॰एम॰एम॰यू॰ की सहायता से सी॰आर॰पी॰ ई॰पी॰ दीदियों ने साप्ताहिक बाज़ार का प्रचार प्रसार किया.दीदियों की कड़ी महंत के चलते यह बाज़ार दुबारा शुरू किया हो गया. बाज़ार पहले प्रत्येक सनिवार को लगता था उसका दिन बदल कर प्रत्येक बुधवार को किया गया. इस बजार में 50 उधमियो ने अपना दुकान लगाया.

# अमृत महोत्सव का आयोजन

ब्लॉक में बी॰आर॰सी॰ कार्यालय की और से 6 सितम्बर से 12 सितम्बर तक एस॰वी॰ई॰पी॰ परिजोयजना के अंतर्गत आज़ादी के ७५ साल पूरे होने के ख़ुशी में आज़ादी का अमृत मोहोस्तव मनाया गया । और कैडर के विशेश बैठ्क किय और अम्रुत महोत्साव के बारे में चर्चा किया के बारे में चर्चा किया । इस अवसर पर परियोजना स्वीकृति समिति की भैठक का आयोजन किया गया जिसमे कुल 51 उद्यमों का आवेदन प्राप्त हुआ जिसमे 36 उधमी का दस लाख तीस हजार का ऋण स्वीकृत किया गया एव 15 उद्यम बिना ऋण पास किये गए।

# भाग 3
# क्षमता विकास

## बीआरसी लेखाकार प्रशिक्षण

24 अप्रैल 2021 को कुदुम्बश्री एनआरओ की उत्तर प्रदेश टीम ने एन॰आर॰ओ॰ क़े 4 ब्लॉक के बीआरसी के लेखाकारों का ऑनलाइन प्रशिक्षण किया। प्रतिभागियों में एन॰आर॰ओ॰ के एस॰पी॰सी॰, एफ़॰सी॰, बी॰ए॰पी॰ और नजीबाबाद के मेंटर प्रशिक्षक के रूप में शामिल हुए, तथा नजीबाबाद, हसवा, नारायणी और थेकमा ब्लॉक के बीआरसी लेखाकार प्रशिक्षणार्थी रूप में शामिल थे। प्रशिक्षण का उद्देश्य लेखाकारों को एसवीईपी परियोजना में उनकी भूमिका, एसवीईपी में शामिल लेखा प्रक्रिया और एसवीईपी परियोजना के तहत अभिलेखों की पुस्तकों के बारे में शिक्षित करना था। नजीबाबाद और बीएपी के संरक्षक प्रशिक्षण के लिए प्रमुख प्रशिक्षक थे, जबकि कुछ सत्र एफ़॰सी॰ और एस॰पी॰सी॰ द्वारा भी किए गए ।

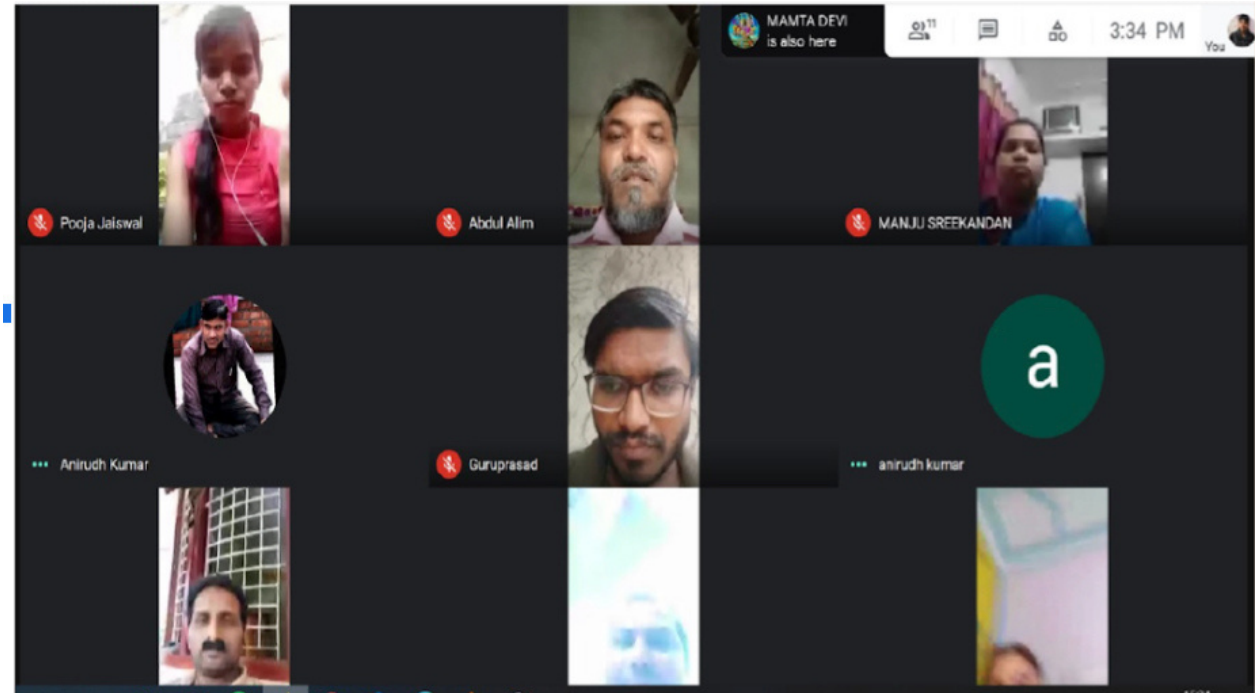


यह आठ दिनों तक चलने वाला एक प्रशिक्षण कार्यक्रम था जिसमें लेखाकारों की लेखा क्षमताओं को बढ़ाने पर **बल** दिया गया था। प्रशिक्षण के पाठ्यक्रम में सिद्धांत और अभ्यास दोनों सत्र शामिल थे। सीखने की प्रक्रिया की गुणवत्ता सुनिश्चित करने के लिए, लेखाकार के संदर्भ के लिए पावरपॉइंट प्रेजेंटेशन और रिकॉर्ड की सॉफ्ट कॉपी सैंपल टेम्प्लेट बनाए गए, और यह सुनिश्चित किया कि वे असाइनमेंट में इसका पालन करें।

## सी.बी.ओ. उन्मुखीकरण एवं ट्रिगरिंग, जी.ओ.टी. और ई.पी.डी. का पुनश्चर्या प्रशिक्षण

C

ब्लॉक के समृद्धि सी॰आर॰पी॰ई॰पी॰ समूह को गूगल मीट के माध्यम से ऑनलाइन तरीके से स्वयं सहायता समूह, ग्राम संघटन संकुल स्तरीय संगठन उन्मुखिकरन प्रशिक्षण दिवसीय गया. यह प्रशिक्षण में ब्लॉक के मेंटर एक प्रशिक्षक की भूमिका निभायी. सी॰आर॰पी॰ई॰पी॰ दीदियों ने बताया की उनके लिए यह सीखने का अच्छा अनुभव था। प्रत्येक सत्र को काफ़ी बारीकियों से सी॰आर॰पी॰ई॰पी॰ को समजाया गया. साथ ही में आई॰ई॰सी॰ मटेरियल उपयोग क्षेत्र किस प्रकार से करना है और क़ोनसा आई॰ई॰सी॰ किस सत्र में उपयोग करना है वह भी सिखाया गया। इस प्रशिक्षण में एफ़॰सी॰ एव बी॰ए॰पी॰ का भी मार्गदर्सन प्राप्त हुआ।

## एस.वी.ई.पी. एप्प का प्रशिक्षण

जलाई महीने के हर रविवार को एस॰वी॰ई॰पी॰ एप्प का ऑनलाइन प्रशिक्षण ठेकमा, नरैनी और हसवा प्रखंड के मेंटर को दिया गया । यह प्रशिक्षण एन॰आर॰ओ॰ की बी॰ए॰पी॰ और नजीबाबाद मेंटर के द्वारा दिया गया। इस प्रशिक्षण का उद्देश था कि ठेकमा, नरैनी और हसवा प्रखंड में एस॰वी॰ई॰पी॰ एप्प के बारे में मेंटर और सी॰आर॰पी॰ - ई॰पी॰ का उन्मुखिकरन करके , जल्द से जल्द एप्प में कि काम शुरू करना । मेंटर का प्रशिक्षण पूर्ण होने के बाद यह सी॰आर॰पी॰-ई॰पी॰ समूह को दिया ग़या। इस प्रशिक्षण में डाटा संग्रह करने के लिए सी॰आर॰पी॰ ई॰पी॰ पंजीकरण , सी॰आर॰पी॰ - ई॰पी॰ को गाँव नामांकित करना, मेंटर, बी॰एम॰एम॰ की टिप्पणी, बी॰आर॰सी॰ द्वारा अनुमोदन , उद्यमी पंजीकरण और संभावित उधमी का व्यापार योजना कैसे बनाये यह बिंदु सिखाए गए। यह प्रशिक्षण के बाद सी॰आर॰पी॰ई॰पी॰ की यूज़र आई॰डी॰ तयार कर उनको भी इसके बारे में सिखाया गया ।

## प्रदर्शन ट्रैकिंग प्रणाली प्रशिक्षण

ब्लॉक में दिनांक- 14 और 15 जुलाई 2021 को बी॰आर॰सी॰ कार्यालय मे एस॰वी॰ई॰पी॰ परियोजना के समृद्धि सी॰आर॰पी॰- ई॰पी॰ समूह नरैनि के 24 सदस्यों को प्रदर्शन ट्रैकिंग प्रणाली का 2 दिवसीय गैर आवासीय परिक्षण दिया गया l इस प्रशिक्षण का उद्देश्य सी॰आर॰पी॰- ई॰पी॰ समूह को उद्यमियों के उचित डेटा को बनाए रखने, लाभ और हानि, स्टॉक माल, क्रेडिट बिक्री और अन्य खर्चों को ध्यान में रखते हुए उध्यम की प्रगति की स्तिथी का जानकारी कैसे रखे इसका का उन्मुखिकारन करना था।उनको पीटीएस के आधार पर परामर्श सेवाएं प्रदान करने पर भी पुनश्चर्या करना था । इससे सी॰आर॰पी॰ - ई॰पी॰ को वितीय ब्यौरा की जानकारी आसानी प्राप्त हो जाएगी lइस प्रशिक्षण में कूदुंबश्री एन॰आर॰ओ॰ के बी॰ए॰पी॰ और नरैनि ब्लॉक के मेंटर ने प्रशिक्षक की भुमिका निभायी.

## व्यापार योजना बनाना और व्यवहारिता जाँच का प्रशिक्षण

ब्लॉक में दिनांक- १९ जुलाई २०२१ को बी॰आर॰सी॰ कार्यालय मे एस॰वी॰ई॰पी॰ परियोजना के समृद्धि सी॰आर॰पी॰- ई॰पी॰ समूह नरैनि को व्यापार योजना बनाना और व्यवहारिता जाँच का एक दिवसीय गैर आवासीय पुनश्चर्या प्रशिक्षण दिया गया 1 यह प्रशिक्षण सी॰आर॰पी॰- ई॰पी॰ समूह को व्यापार योजना बनाते समय और व्यवहारिता जाँच करते समय आने वाले समस्ययों के निरासरन के उद्देश्य से कराया गया.

## बी.ई.पी.सी. इक्स्पोज़र विज़िट

4 अगस्त 2021 को, नौ बीईपीसी सदस्यों, बीपीएम और मेंटर नरैनी, जिला बांदा ने बिजनौर जिले के नजीबाबाद ब्लॉक के एक्सपोजर दौरे के लिए अपनी यात्रा शुरू की। एसवीईपी-बीआरसी, नजीबाबाद कुदुम्बश्री एनआरओ के तहत एसवीईपी कार्यक्रम में बेहतरीन और सबसे पुराने बीआरसी में से एक है। एक्सपोजर विजिट का उद्देश्य एक दूसरे के साथ बातचीत करना और सीखना था, जिससे बीईपीसी सदस्यों को क्षेत्र से सर्वोत्तम प्रथाओं को देखने और अपने ब्लॉक में परियोजना के कार्यान्वयन में उनका उपयोग करने की संकल्पना मिले । बीईपीसी सदस्यों को मेंटर, बीपीएम-एसवीईपी और कुडुम्बश्री एनआरओ के एफ़सी द्वारा सहायता प्रदान की गई । यह छह दिवसीय कार्यक्रम (यात्रा के दिनों सहित) था जिसमें बीईपीसी सदस्यों की क्षमता के निर्माण पर ज़ोर दिया गया था। दौरे के दौरान आयोजित प्रमुख गतिविधियां डीसी-एनआरएलएम, बीपीएम, बीईपीसी और सीआरपी-ईपी समूह के साथ बातचीत, एसवीईपी दिशानिर्देशों पर सत्र, एसवीईपी-बीआरसी हितधारकों की भूमिकाएं और जिम्मेदारियां, बीईपीसी के साथ ऋण चुकौती और पुनर्भुगतान ट्रैकिंग पर सत्र थे। , एसवीईपी लघु, और मध्यम उदयमों का दौरा, बीआरसी बैठक, पीएसी बैठक, और बीआरसी नजीबाबाद टीम के साथ सीखी गईं बातो पर चर्चा।

# भाग 4
# गैलरी

## उद्यमिता विकास कार्यक्रमों की तस्वीरें

## क्षेत्र में.आई.ई.सी. मटेरीयल का उपयोग करती हुए सी.आर.पी.ई.पी.

## बी.ई.पी.सी. बैठक की कुछ तस्वीरें

## सी.आर.पी.ई.पी. बैठक की तस्वीर

## क्षेत्र का दौरा करते हुए एसपीसी और मेंटर

# भाग 5
# प्रेरणा (सफलता की कहानी)

34 वर्ष कि स्यामा दीदी के जीवन सुरुआती दिन काफी सुखमय थे क्योकि उनके पिता जी सरकारी कार्यालय में करते थे इस कारण परिवार का गुजारा अच्छे से चल रहा था। दो भाइयो में श्यामा दीदी छोटी थी उनकी पढाई BA तक करने के बाद उनकी सादी पास के खेरिया गाव एक किसान परिवार में कर दी गई। उनके ससुराल में सभी लोग खेतो में कार्य करते थे। श्यामा दीदी ने कभी खेत में काम न करने के कारण खेत में कार्य करते समय असहज महसूस करती। इस कारण से उनके ससुर काफी नराज रहते. शादी के कुछ ही दिन बीतते ही उनको ससुराल वालो ने खेत का हिस्सा देकर अलग कर दिया | शुरु में थोड़ी कठिनाई हुई फिर धीरे–धीरे जीवन पटरी पर लौटने लगी।

अब श्यामा दीदी भी खेतो में अपने पति का हाथ बटाने लगी थी और अपने माइके में सिलाई का काम सीखी थी इसलिए खेत में कार्य करने के बाद जो समय मिलता उसमे सिलाई काम करती। कुछ साल लोटते ही श्यामा दीदी के दो बच्चे हुए एक लड़की ओर एक लड़का। परिवार का गुजारा सही प्रकार चल रहा था पर नियति को कुछ और ही मंजूर था। उनके पति बीमार रहने लगे डाक्टर से दिखाने के बाद पता चला कि उनको दिल की बिमारी है । काफि जगह इलाज कराने के बाद भी, शादी के 12 साल बाद ही साल 2016 में उनकी मृत्यु हो गई।

पति के जाने का दु:ख स्यामा दीदी से सहन नहीं हुआ और डिप्रेसन में चली गई. दो बच्चे ओर पती के इलाज के लिए लिया गया 6 लाख का कर्ज अब उनकी ज़िम्मेदारी थी। इस दु:ख कि घडी में उनके मइके वाले सहारा बने. लगभग दो साल तक श्यामा दीदी का इलाज चला ओर उनका कर्ज बढ़ गया। श्यामा दीदी हिम्मत करके एव अपने बच्चो के लिए सहारा बनी इसी बिच उनको समूह मे जुडी ओर केडर के रुप मे काम भी करने लगी। साथ हि मे दिदीने आर.एस.ई.टि.आय. के माध्यम से सिलाई के नये प्रकार भी सिख लिए।

ब्लाक मे जब शुरुवाती ग्रामीण उधमिता परियोजना आई तो दीदीने सी॰आर॰पी॰ई॰पी॰ पद के लिए आवेदन किया ओर उनका चयन भी हुआ। दिदी का प्रशिक्षण चल ही रहा था कि ससुराल वालो ने घर, जमीन ओर का बटवारा कर दिया,जिससे एक बार फिर उनकी दिक्क़त बढने लगी। एक समय के लिए श्यामा दीदी CRP-EP का काम छोड़ने के किये सोच लिया क्योकि घर, बच्चे, खेत आओर पशू एक सात देखना उनके लिए मुशकील हो रहा था।.श्यामा दीदी का पिताजी इनका होसला बढ़ाया और हिम्मत दिया।

आज श्यामा दीदी सीआरपीईपी के काम के सात सात सिलाई का काम भी करती हे। दिदी ने के 25 हजार ऋण लेकर सिलाई के बड़े मशीन एव पिको मशीन लिया है। अब वह बेहतर डिज़ाइनर ब्लाउज भी सिलती है। श्यामा दीदी का बच्चे अभी पढाई कर रहे है| आज श्यामा दीदी अपने गाव एरिया के लिए आदर्श है क्योकि दीदीने सी॰आर॰पी॰ई॰पी॰ का काम करते हुए अभी तक 25 समूह कि महिलाये एव उनके परिवार को उद्यम से जोड़ चुकी है। अब उनको घर खर्च के लिए सोचना नहीं पड़ता। सी॰आर॰पी॰ई॰पी॰ का काम एव सिलाई के काम से 8 से 10 हजार महीने कि कमाई हो जाती है। श्यामा दीदी थोडा थोडा कर परीवार का ऋण भी चुका रही है। दिदी ने अपने बच्चों को पढाकर अपने पैरो पर खडा करना चाहती है। वह सी॰आर॰पी॰ई॰पी॰ के काम से आगे जरूरत मंद लोगो को मदद करना चाहती है।

# साप्ताहिक बाज़ार की शुरुआत

उत्तर प्रदेश राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन (प्रेरणा) एव सुरुवाती ग्रामीण उध्मिता परियोजना (SVEP) के अंतर्गत दिनांक 20/03/2021 दिन शनिवार को ग्राम साड्डा में साप्ताहिक बाजार का आयोजन किया गया। इस साप्ताहिक बाजार कि सुरुआत करने के लिए सबसे पहले सी॰आर॰पी॰ई॰पी॰ का समुह बैठक में चर्चा करके जगह चुनाव किया गया। उसके बाद बीईपीसी कि बैठक में बीएमएम, मेंटर ओर बीईपीसी के साथ चर्चा कर ग्राम साड्डा के प्राथमिक विद्यालय के सामने साप्ताहिक बाजार शुरुकरने का निर्णय लिया गया। इस जगह का चयन करने का मुख्य कारण था कि आसपास के लगभग 15 से 20 गाव के ग्रामीणों को जरूरत के सम्मान लेने के लिए 12 से 15 किलोमीटर दूर जाना पडता था। एव याता यात कि भी सुबिधा बहुत कम है इसलिए ग्रामीणों को काफी दिक्क़त होती थी।

सरकारी जगह होने के कारण खंड विकास अधिकारी एव सम्बंधित ग्राम प्रधान से भी इस बारे चर्चा कि गई। सप्ताहिक बाजार लगाने सम्बन्धित पूरी जानकारी देने के बाद उनसे जगह का अनुमती पत्र प्राप्त हुआ। इसके बाद सीआरपीईपी पूजा ,पप्पी ,सुनीता एव माधुरी ने उस एरिया के उधमियो का सर्वे कर एक सूचि तैयार किई ओर लगभग 70 से 80 एसवीईपी ओर अन्य उधमी को बाजार मे दुकान लगाने के लिए तयार किया गया। इस बाजार का संचालन के लिए ग्राम साड्डा राधा ग्राम संगठन को जिमेदारी दी गयी। 5 सदस्यों को मिलाकर बाजार प्रबंधन समीती बनायी गई। जो इस बाजार आयोजन में प्रचार प्रसार ओर जरुरत होने पर आर्थिक सहयोग भी करेगे।

राधा महिला ग्राम संगठन कि बैठक में बाजार लगाने का दिनाक पर सभी के सहमती से अन्य बाजार को ध्यान में रखते हुए प्रति सप्ताह सनिवार को बाजार लगाने का निर्णय लिया गया। इस मीटिंग में यह भी निश्चित हुआ की बाजार लगने के पहले एक बैठक बिस्तार से चर्चा एव योजना के लिए कि जाएगी। राधा महिला ग्राम संगठन कि दुसरी बैठक में सीआरपीईपी एव मेंटर के साथ चर्चा कर एक बजट बताया गया। बाजार के प्रचार –प्रसार बैनर पम्पलेट एव उद्घाटन खर्च की जिमेदारी ग्राम संगठन ने ली। यह भी योजना तयार कि गई कि प्रचार 2 दिन आस-पास के गाव में किया जायेगा। प्रचार के लिए एक ऑटो साउंड एव माइक कि व्यवस्था कि गई। प्रचार-प्रसार सीआरपीईपी पूजा,पप्पी,सुनीता ने पम्पलेट बाट एव रिकार्डिंग कर किया। इस सभी का गतिविधी यों का मेंटर द्वारा लगातार फॉलो उप किया गया, बाजार के उद्घाटन के दिन स्थानीय विधायक, खंड और सहायक खंड विकास अधिकारी, ग्राम प्रधान ओर डिएमएम को आमंत्रण किया गया। बाजार लगने के एक दिन पहले सी॰आर॰पी॰ई॰पी॰ ने फ़ोन कर सभी उधमियो को साप्ताहिक बाजार में आने कि जानकारी दिया।

दिनांक 20/03/2021 दिन श को बाजार का उद्घाटन स्थानीय विधायक एव खंड विकाश अधिकारी के दौरा सयुक्त रूप से किया गया। एव इस बाजार आयोजन कि प्रसंसा कि. इस कार्यक्रम मे डीएमएम, बीएमएम, मेंटर, सीआरपीईपी, ग्राम संगठन सदस्य के सात सात काफी संख्या में ग्रामीण उपस्थित थे। बाजार के पहले दिन 49 उधमी इस बाजार में आये जिसमे सब्जी ,फल ,मसला ,कपरा ,फ़ास्ट फ़ूड ,फ़र्निचर ,मिट्टी के वर्तन,अंडा ,गन्ना इत्यादि प्रकार के उधमी आए। सीआरपीईपी ने उधमी से जानकारी प्राप्त कर पता किया कि पहले दिन ३२ हजार का आय प्राप्त हुआ है। सीआरपीईपी के लगातार फॉलो उप के कारण दुसरे सप्ताह 55 उधमी आए। जिसने लगभग 44 हजार का आय प्राप्त हूआ। जैसे-जैसे समय बीतता जा रहा है उस तरह ग्राहक संख्या ओर उधमी कि आय बढती जा रही है।

इस बाजार के लगने से ग्रामीणों में काफी ख़ुशी है, उनको अपनी जरूरत के सामान के लिए दूर नहीं जाना पडता है। समय और धन दोनों कि बचत होती है। इसी तरह स्थानीय ग्रामीण उधमियो एव किसानो में भी काफी खुशी है कि उनको भी अपने गाव में ही सामान बेचने के जगह मिल गई। पहले दूर कि बाजार में जाने से सीधा मुनाफा पे असर पड़ता था ओर समय भी ज़्यादा लगता था। इस बाजार के आयोजन मे सीआरपीईपी पूजा पप्पी एव सुनीता की मुख्य भूमिका रही। जो अभी तक नहीं हुआ था ओ कार्य महिलाए SVEP परियोजना के माध्यम से कर रही है ओर गाव के आर्थिक विकास मे योगदान दे रही है।